समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



कक्षा - 9

हिंदी (आलोक)

अध्याय – 5

आप भले तो जग भला

श्रीमन्नारायण

भाग – 4

अभ्यासमाला

कीर्ति बसुमतारी

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ई) आशय स्पष्ट करो(लगभग 100 शब्दों में):

(क) शहद की एक बूँद ज्यादा मक्खियों को आकर्षित करती है, बजाए एक सेर ज़हर के।

(ई) आशय स्पष्ट करो(लगभग 100 शब्दों में):

(क) शहद की एक बूँद ज्यादा मक्खियों को आकर्षित करती है, बजाए एक सेर ज़हर के।

उत्तर : इस कहावत का आशय है कि विनम्रता, प्रेम और मधुर व्यवहार में कड़वाहट, क्रोध या घृणा से कहीं अधिक शक्ति होती है। जिस प्रकार शहद की एक बूँद मक्खियों के झुंड को अपनी ओर खींच लेती है,

उसी प्रकार एक व्यक्ति का अच्छा स्वभाव और मृदु वाणी दूसरों को सहज ही अपनी ओर आकर्षित कर लेती है।

इसके विपरीत, एक सेर जहर (यानी कड़वापन, गुस्सा) किसी को पास नहीं आने देता, बल्कि दूर धकेल देता है। लोगों के दिलों को जीतने और उन्हें प्रभावित करने के लिए हमेशा सकारात्मक और सौम्य तरीका अपनाना चाहिए।

(ख) लोग दूसरों की आँखों का तिनका तो देखते हैं, पर अपनी आँख के शहतीर को नहीं देखते।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

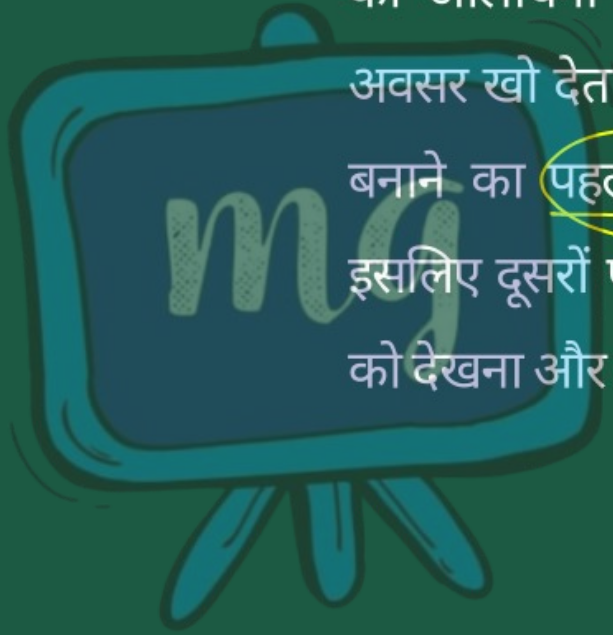
(ख) लोग दूसरों की आँखों का तिनका तो देखते हैं, पर अपनी आँख के शहतीर को नहीं देखते।

उत्तर : आप भले तो जग भला' अध्याय के संदर्भ में इस लोकोक्ति का अर्थ यह है कि मनुष्य अक्सर दूसरों की छोटी-छोटी गलतियाँ खोजने में लगा रहता है, पर अपने भीतर छिपी बड़ी कमियों को देखना ही नहीं चाहता। 'तिनका' दूसरे के छोटे दोष का प्रतीक है, जबकि 'शहतीर' अपने बड़े दोष का संकेत देता है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

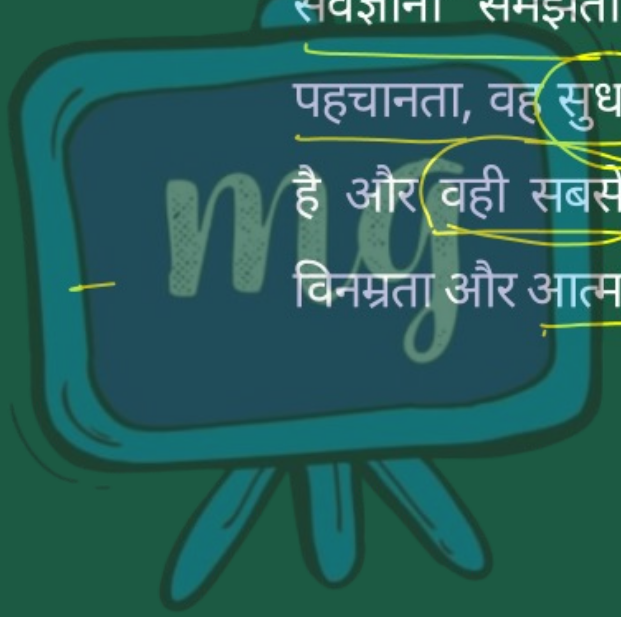
अध्याय यह समझाता है कि जो व्यक्ति हर समय दूसरों की आलोचना करता है, वह स्वयं को सुधारने का अवसर खो देता है। लेखक के अनुसार, जग को भला बनाने का पहला कदम स्वयं को बेहतर बनाना है। इसलिए दूसरों पर दोष लगाने से पहले अपने आचरण को देखना और सुधारना सबसे आवश्यक है।



(ग) जो मनुष्य मूर्ख है और जानता है कि वह मूर्ख है, वह ज्ञानी है, पर जो मूर्ख है और नहीं जानता कि वह मूर्ख है, वह सबसे बड़ा मूर्ख है।

(ग) जो मनुष्य मूर्ख है और जानता है कि वह मूर्ख है, वह ज्ञानी है, पर जो मूर्ख है और नहीं जानता कि वह मूर्ख है, वह सबसे बड़ा मूर्ख है।

उत्तर : इस कथन का आशय यह है कि ज्ञान की दिशा में पहला कदम अपनी अज्ञानता को स्वीकार करना है। यदि कोई व्यक्ति यह समझता है कि उसे किसी विषय का ज्ञान नहीं है या उसमें कोई कमी है, तो वह सीखने के लिए तैयार रहता है और उसमें ज्ञानी बनने की संभावना होती है। अपनी मूर्खता को स्वीकार करने वाला व्यक्ति वास्तव में ज्ञानी होता है।



इसके विपरीत, जो व्यक्ति मूर्ख होने के बावजूद खुद को सर्वज्ञानी समझता है और अपनी कमियों को नहीं पहचानता, वह सुधार की हर संभावना को खत्म कर देता है और वही सबसे बड़ा मूर्ख कहलाता है। सच्चा ज्ञान विनम्रता और आत्म-जागरूकता से शुरू होता है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

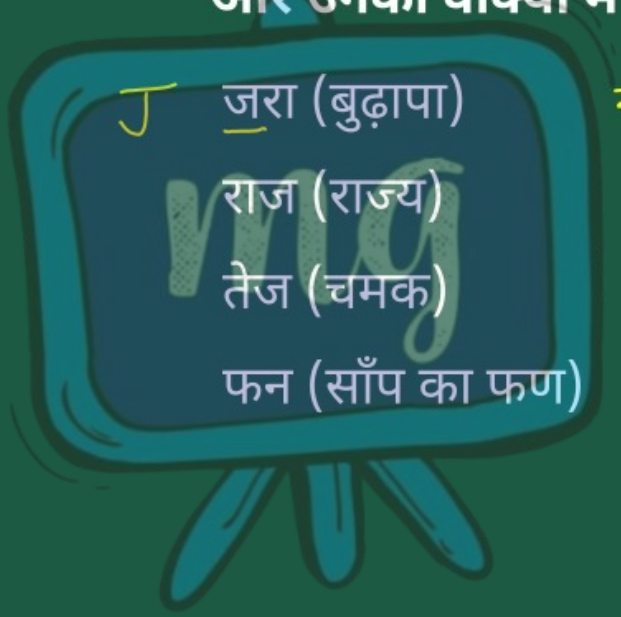
भाषा-अध्ययन —

1. निम्नलिखित शब्दों का उच्चारण करो:

नज़र, ज़ोर, हज़ार, नाराज़, जरूर, ज़रा, ज़िंदगी, तारीफ, ऑफ़िस, सफ़ाई, फैशन, फ़न।

उपर्युक्त शब्दों में 'ज़' और 'फ़' अरबी-फारसी तथा अंग्रेजी से आए तत्सम शब्दों की ध्वनियाँ हैं। इन्हें संघर्षी ध्वनि कहते हैं, क्योंकि इनका उच्चारण करते समय हवा घर्षण के साथ निकलती है, जबकि 'ज' और 'फ' ध्वनि के उच्चारण में हवा रुकती है।

निम्नलिखित शब्दों में अंतर समझते हुए उच्चारण करो और उनका वाक्यों में प्रयोग करो।

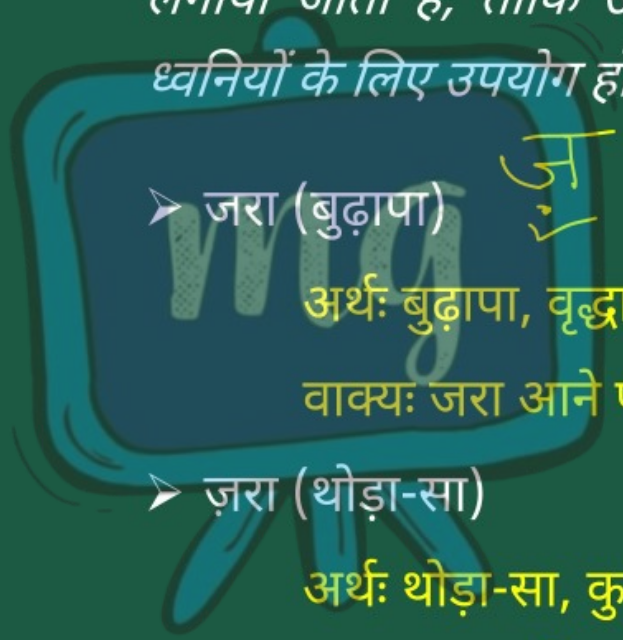


ज	ज़
जरा (बुढ़ापा)	ज़रा (थोड़ा-सा)
राज (राज्य)	राज़ (रहस्य)
तेज (चमक)	तेज़ (फुर्तिला)
फन (साँप का फण)	फ़न (कला)

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

हिंदी में नुक्ता एक छोटा सा बिंदु होता है जो कुछ अक्षरों के नीचे लगाया जाता है, ताकि उनका उच्चारण बदल जाए। यह उन ध्वनियों के लिए उपयोग होता है जो फ़ारसी/अरबी से आई हैं।



- जरा (बुढ़ापा)

  अर्थः बुढ़ापा, वृद्धावस्था।

  वाक्यः जरा आने पर भी दादा जी रोज़ टहलने जाते हैं।

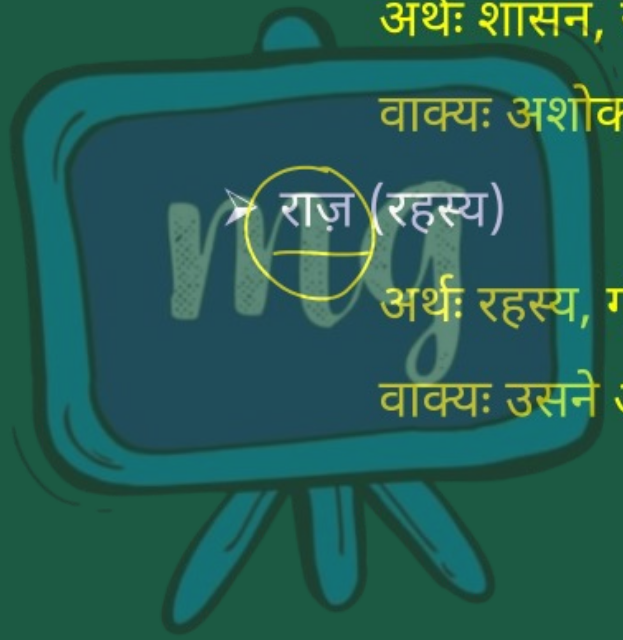
- ज़रा (थोड़ा-सा)

  अर्थः थोड़ा-सा, कुछ।

  वाक्यः ज़रा मेरी मदद कर दो, काम जल्दी हो जाएगा

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation



- राज (राज्य)

  अर्थः शासन, राज्य।

  वाक्यः अशोक का राज बहुत विस्तृत था।

- राज़ (रहस्य)

  अर्थः रहस्य, गोपनीय बात।

  वाक्यः उसने अपना राज़ किसी को नहीं बताया।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

- तेज (चमक)

  अर्थः चमक, प्रकाश की तीव्रता।

  वाक्यः सूरज का तेज आँखों को चुभ रहा था।

- तेज़ (फुर्तिला)

  अर्थः फुर्तीला, जल्दी करने वाला।

  वाक्यः वह दौड़ने में बहुत तेज़ है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

- फन (साँप का फण)

  अर्थः साँप का फैलाया हुआ फण।

  वाक्यः कोबरा ने खतरा महसूस होते ही अपना फन खोल लिया।

- फ़न (कला)

  अर्थः कला, हुनर ।

  वाक्यः चित्रकारी का फ़न सीखने के लिए वह रोज़ अभ्यास करता है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

2. निम्नलिखित गद्यांश का पाठ करते समय इसका ध्यान रखो कि तिरछी रेखाएँ क्षणभर ठहराव का संकेत देती हैं। इसी के अनुसार इसे पढ़ो।

महात्मा गांधी ने / पृथ्वीसिंह से कहा / "सरदार साहब, / अगर आप सेवाग्राम में आकर / मेरे आश्रम में रह सकें / तभी मैं समझूँगा कि / आपने अहिंसा का पाठ / सचमुच सीख लिया है।"

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

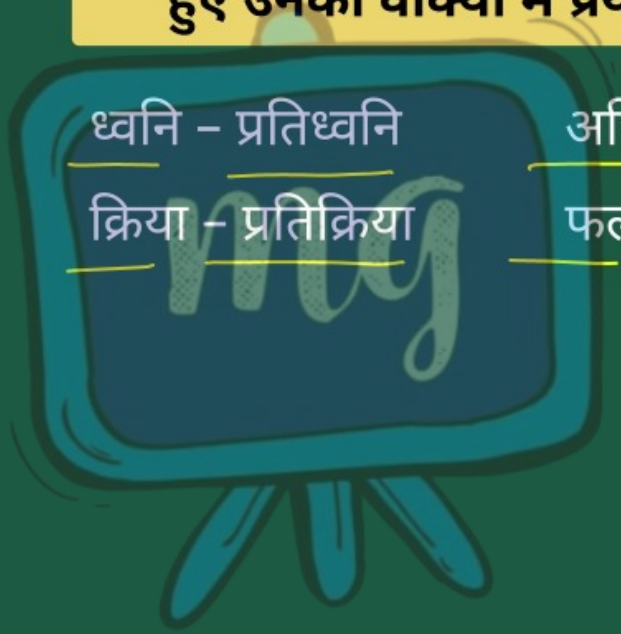
2. निम्नलिखित गद्यांश का पाठ करते समय इसका ध्यान रखो कि तिरछी रेखाएँ क्षणभर ठहराव का संकेत देती हैं। इसी के अनुसार इसे पढ़ो।

पृथ्वीसिंह जरा चौकर बोले,/ "आपका क्या मतलब बापूजी?"/ भाई, / मेरा आश्रय तो/एक प्रयोगशाला जैसा ही है/जिन लोगों की कहीं नहीं बनती,/ अक्सर वे मेरे पास/आ जाते हैं। उन सबको एक साथ रखने में / मैं सीमेंट का काम करता हूँ /और वह सीमेंट/मेरी अहिंसा ही है।"

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. निम्नलिखित विलोम शब्दों के अर्थ का अंतर स्पष्ट करते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग करो:



ध्वनि – प्रतिध्वनि

अहिंसा – हिंसा।

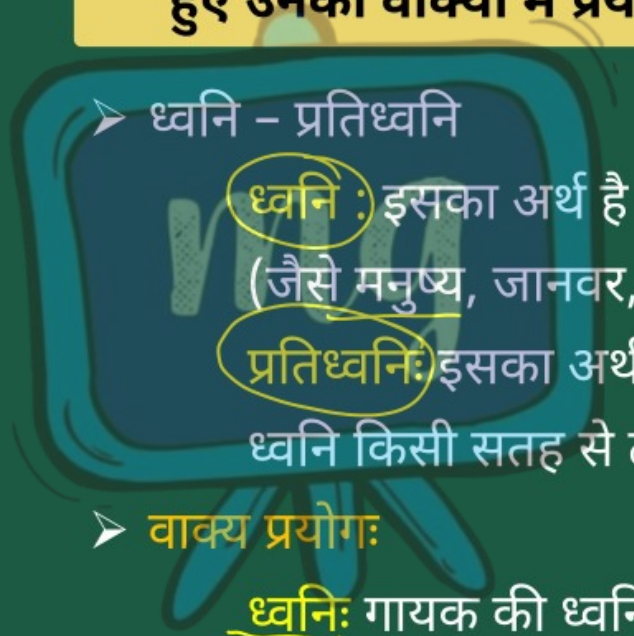
क्रिया – प्रतिक्रिया

फल – प्रतिफल।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

3. निम्नलिखित विलोम शब्दों के अर्थ का अंतर स्पष्ट करते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग करो:



- ध्वनि – प्रतिध्वनि
  - ध्वनि : इसका अर्थ है 'आवाज' या 'शोर' जो किसी स्रोत (जैसे मनुष्य, जानवर, यंत्र) से उत्पन्न होता है।
  - प्रतिध्वनिः इसका अर्थ है 'आवाज़ की गूंज', यानी जब मूल ध्वनि किसी सतह से टकराकर वापस आती है।
- वाक्य प्रयोगः
  - ध्वनिः गायक की ध्वनि बहुत मधुर है।
  - प्रतिध्वनिः खाली कमरे में बोलने पर मेरी आवाज़ की प्रतिध्वनि सुनाई दी।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

- अहिंसा – हिंसा।

  हिंसा : इसका अर्थ है 'शारीरिक या मानसिक चोट पहुँचाना', 'हानि करना' या 'लड़ाई-झगड़ा'।

  अहिंसाः इसका अर्थ है 'किसी भी जीवित प्राणी को न सताना', 'चोट न पहुँचाना' और शांति बनाए रखना। यह हिंसा का विपरीत है।

- वाक्य प्रयोगः

  हिंसाः समाज में हिंसा की कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

  अहिंसाः महात्मा गांधी ने देश को आज़ादी दिलाने के लिए अहिंसा का मार्ग अपनाया।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

- क्रिया – प्रतिक्रिया

  क्रिया : इसका अर्थ है 'कार्य' या 'कोई काम करना' (Action)।

  प्रतिक्रिया : इसका अर्थ है 'किसी कार्य के बदले में होने वाला कार्य' या 'जवाब' (Reaction) |

- वाक्य प्रयोगः

  क्रियाः उसने अपनी क्रिया शुरू की और प्रोजेक्ट पर काम करने लगा।

  प्रतिक्रियाः मेरे मजाक पर उसकी प्रतिक्रिया बहुत ही शांत थी, वह बिल्कल नहीं हँसा।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

➤ फल – प्रतिफल।

फल: इसका अर्थ है 'परिणाम', 'नतीजा' या 'किसी कार्य से मिलने वाला लाभ'।

प्रतिफल : इसका अर्थ है 'बदला' (Return), 'मुआवज़ा' या किसी के परिश्रम के बदले में दिया जाने वाला पुरस्कार। यह अक्सर आर्थिक संदर्भ में या किसी निवेश के बदले में प्रयोग होता है।

➤ वाक्य प्रयोगः

फलः मेहनत करने का फल हमेशा मीठा होता है।

प्रतिफलः कंपनी ने कर्मचारियों को उनके अच्छे काम के प्रतिफल के रूप में बोनस दिया।

4. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित करो:

(क) जब मैं अपने एक मित्र को हमेशा परेशान, नाराज और चिड़चिड़ाते देखता हूँ तब इसी किस्से का स्मरण हो आता है। (वचन बदलो)

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

4. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित करो:

(क) जब मैं अपने एक मित्र को हमेशा परेशान, नाराज और चिड़चिड़ाते देखता हूँ तब इसी किस्से का स्मरण हो आता है। (वचन बदलो)

उत्तर :- परिवर्तित (एकवचन → बहुवचन): जब हम अपने मित्रों को हमेशा परेशान, नाराज़ और चिड़चिड़ाते देखते हैं तब इसी किस्से का स्मरण हो आता है।

(ख) दुखी होने का कोई कारण नहीं। (प्रश्नवाचक बनाओ)

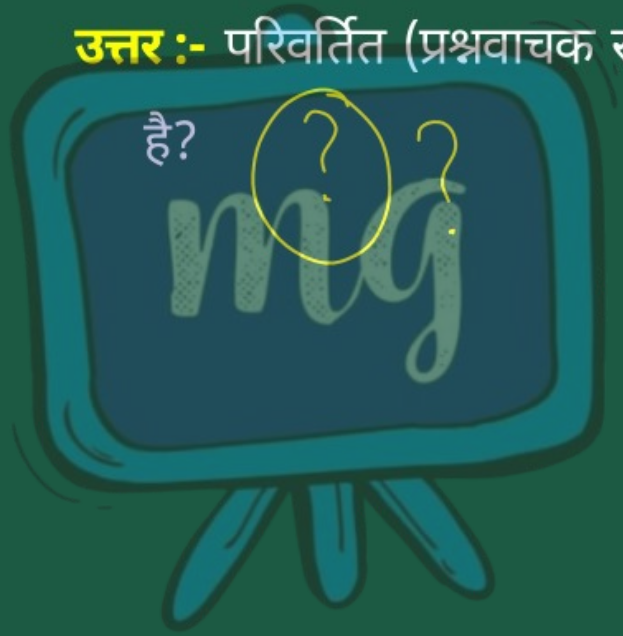


समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ख) दुखी होने का कोई कारण नहीं। (प्रश्नवाचक बनाओ)

उत्तर :- परिवर्तित (प्रश्नवाचक रूप) - क्यो दुखी होने का कोई कारण है?



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) रंग-बिरंगे फूल खिले हैं। (विस्मयादिबोधक बनाओ)



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(ग) रंग-बिरंगे फूल खिले हैं। (विस्मयादिबोधक बनाओ)

उत्तर :- परिवर्तित (विस्मयादिबोधक रूप): वाह! कितने रंग-बिरंगे फूल खिले हैं ।



(घ) वह अनपढ़ नौकरानी किताबें और कविताएँ लिखना नहीं जानती थी, पर व्यवहार कुशल अवश्य थी। (लिंग बदलो)



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

(घ) वह अनपढ़ नौकरानी किताबें और कविताएँ लिखना नहीं जानती थी, पर व्यवहार कुशल अवश्य थी। (लिंग बदलो)

उत्तर :- परिवर्तित (स्त्रीलिंग → पुल्लिंग):वह अनपढ़ नौकर किताबें और कविताएँ लिखना नहीं जानता था, पर व्यवहार-कुशल अवश्य था।

(ङ) है तो वह भी आदमी ही। (सामान्य वाक्य बनाओ)



(ङ) है तो वह भी आदमी ही। (सामान्य वाक्य बनाओ)

उत्तर :- परिवर्तित (सामान्य रूप) वह भी आदमी ही है।



समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

5. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखते हुए उनके वाक्यों में प्रयोग करो:

- आगबबूला होना-
- नुक्ताचीनी करना-
- टूट पड़ना-
- चुटकियाँ लेना-
- कोई चारा न होना-

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

5. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखते हुए उनके वाक्यों में प्रयोग करो:

- आगबबूला होना-

  अर्थः बहुत गुस्सा होना।

  वाक्यः जब उसे पता चला कि उसके दोस्त ने ही उसे धोखा दिया है, तो वह आग बबूला हो गया।

- नुक्ताचीनी करना-

  अर्थः छोटी-छोटी कमियाँ निकालना, आलोचना करना।

  वाक्यः वह हर काम में नुक्ताचीनी करता है, इसलिए कोई उसके साथ काम करना नहीं चाहता।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

- टूट पड़ना-

  अर्थः जोश या लालच में अचानक झपट पड़ना।

  वाक्यः मिठाई देखते ही बच्चे उस पर टूट पड़े।

- चुटकियाँ लेना-

  अर्थः मज़ाक उड़ाना या हल्की-फुल्की छेड़खानी करना।

  वाक्यः वह हर बात पर अपने दोस्तों की चुटकियाँ लेता रहता है।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha
समग्र शिक्षा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

➤ कोई चारा न होना-

अर्थः किसी काम को करने के अलावा और कोई विकल्प न होना।

वाक्यः भारी बारिश में बस बंद होने पर यात्रियों के पास पैदल चलने के अलावा कोई चारा न था।

